

芭蕉布

本調子

1/2

六	七	工	尺	王	中	合	中	尺	上	合	老	上	四	工	合
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	老	乙	工	合	工	合	工	合	工	五	工	合	工	尺
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

中	合	中	四	合	四	上	中	合	中	尺	上	合	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	乙	老	四	合	四	七	合	七	六	合	六
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

五	合	五	七	工	尺	中	合	上	四	工	合
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	工	老	乙	合	乙	中	合	尺	上	合	上
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

尺	合	尺	尺	合	尺	尺	合	六	五	工	合	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

中	合	中	合	乙	老	四	工	合	四	合	六
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

五	合	四	六	七	工	尺	中	合	中	尺	上	合	老	上
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	工	合	四	工	合								
---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--

芭蕉布

本調子

2/2

一、海の青さに空の青

南の風に緑葉くみどりばの

芭蕉くばしようは情くなさけに

手を招く

常夏くとこなつの国

我くわした島沖繩くうちなー

二、首里くしゆりの古城の石だたみ

昔を偲くしのぶかたほとり

実れる芭蕉熟くうれていた

緑葉の下 我した島沖繩

三、今は昔の首里天くしゆいていんじ

やなし

唐くとうフウーつむぎはたを織

り

上納くじょうのうささげた芭蕉

布くばしようふ

浅地くあさじ紺地くくんじの

我した島沖繩